

सुप्रभात

रांची, शुक्रवार

26.07.2024

\* \* नगर संस्करण | पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

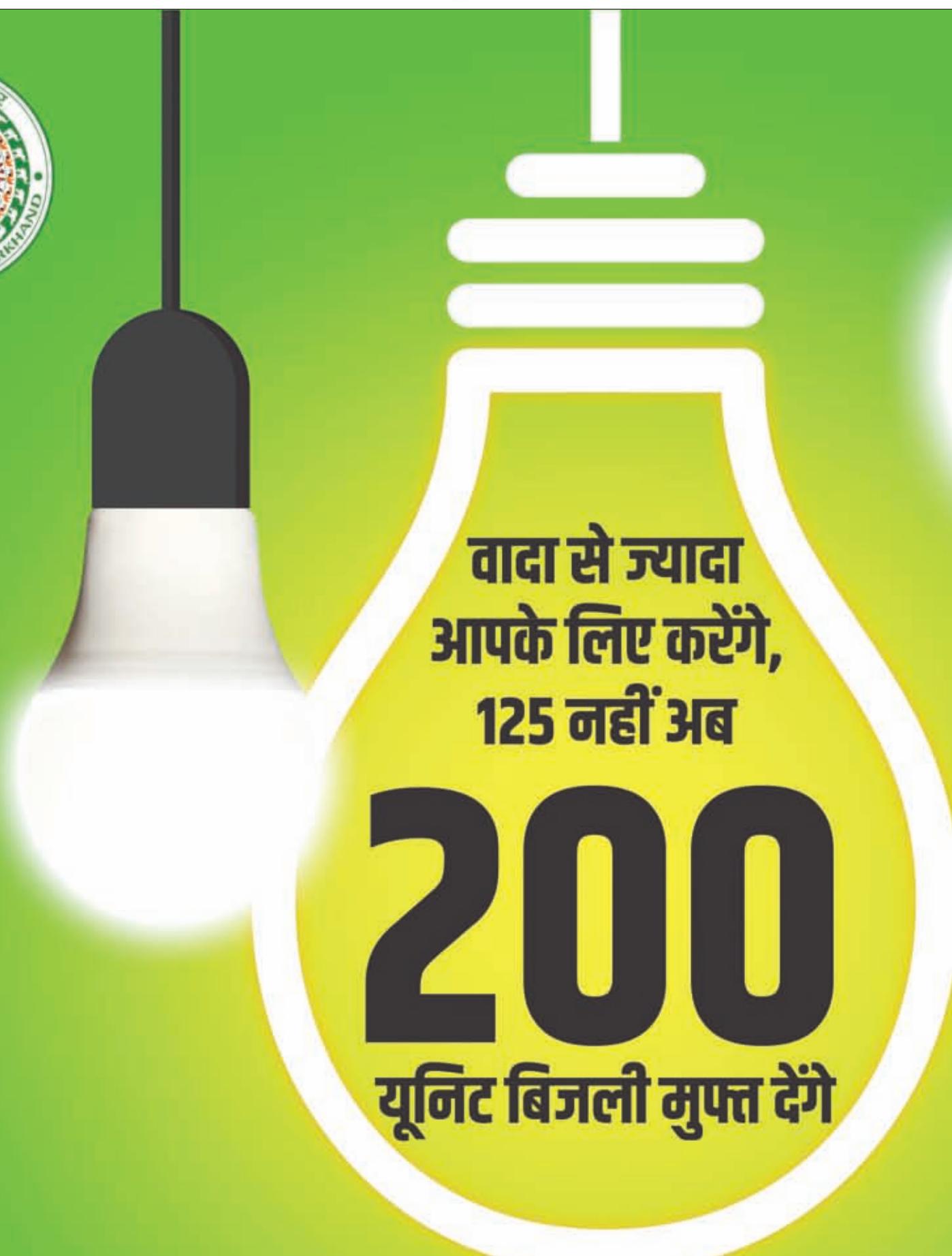
khabarmantra.net सावन, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी संवत् 2081



मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 17

12

अभिषेक ने शेयर किया फ़िल्म 'घड़याड़ी' का ट्रेलर



## बिजली की बचत करें, ज्ञारखण्ड को उन्नत करें

### मुख्य बिन्दु

- आर्थिक रूप से कमज़ोर घटेलू उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना के तहत सभी तरह के शुल्क यथा Energy Charge, Fixed Charge, Electric Duty, FPPPA Charge आदि की छूट 200 यूनिट तक मासिक खपत करने वाले घटेलू उपभोक्ताओं को प्रदान की जाएगी।
- यह योजना जुलाई 2024 के बिलिंग माह से लागू किया जाएगा।
- इस योजना के तहत कुल 45.77 लाख उपभोक्ताओं में से लगभग 41.44 लाख घटेलू उपभोक्ता आचादित होंगे।
- 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना हेतु ज्ञारखण्ड सरकार प्रतिमाह लगभग ₹350 करोड़ सब्सिडी के रूप में ज्ञारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को उपलब्ध करायेगी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, ज्ञारखण्ड सरकार

हेमन्त सोरेन  
मुख्यमंत्री, ज्ञारखण्ड







धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

## मानसून सत्र आज से, हुंगामे के आसार

स्पीकर ने की सर्वदलीय बैठक, भाजपा नहीं पहुंची, सीएम ने विपक्ष को दी चुनौती

### खबर मन्त्र व्यापे

नवसलीयों के मंसूबे फिर नाकाम, बरामद आइडी नहीं चाईगास। पश्चिमी सिंहभूम के टोटो थाना क्षेत्र में बनाना सरकारी और चिडियाबंड के 2 किलो के आइडी रुक्षकालों ने बरामद कर नहीं कर दिया। ये बम जगवानों को क्षति पहुंचाने के लिए लगाया गया था। सुरक्षालों ने नवसलीयों की साजिश को नाकाम कर दिया है। नवसलीय संगठनों ने लिलाफ सुरक्षालों के सर्व ऑपरेशन ये बम बरामद किया गया।

नवसलीय बंदी का ग्रामीण इलाकों में कुछ असर रहा। रांची। प्रतिविधि नवसलीय संगठन भाषण माओवादीयों ने गुरुवार की ओर से अलग झारखंड-विवर बंद का ग्रामीण इलाकों में कुछ असर दिया। शहरी इलाकों में इयका कुछ खास प्रभाव नहीं आया। खोफ के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बद का असर रहा। माओवादीयों ने 25 लाख इनमी माओवादी के गिरपतारी के विरोध में बंद बुलाया था।

पत्ती की हत्या कर पति ने भी कर ली खुदकुशी मेंदिनीगर। पिपरा थाना क्षेत्र के बड़ी पवायत के घंवर गवर्मेंट में गुरुवार की महिला-पुरुषों की लाश मिलने से सनसनी फैल गयी। महिला की तेज धारदार हथियार से घेहर पर वार किया गया था। वही युवक का शव घर से कुछ दूर पूर्व दिशा में अहरा के पास मिला। दोनों पति-पत्नी थे।

प्रेम प्रकाश की याचिका पर फैसला सुरक्षित

रांची। देशीय होम रोड की जमीन की अवधि तरीके से खरीद-विक्री से जुड़े जमीन घोटाले मामले के आरोपित प्रेम प्रकाश की विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गयी। अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले के अन्य आरोपित रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, अमित अग्रवाल और विष्णु अग्रवाल ने भी दिस्चायर प्रिटिशन दाखिल की है।

विपक्ष के कड़े रुख को देखते हुए सत्ता पक्ष भी मानकूल जवाब देने की तैयारी में है। भाजपा के रुख और सीएम देमेंट सोरेन के बायान से वह स्पष्ट हो गया कि सत्र होगामें बैठक के सफल संचालन को लेकर स्पीकर रवंद नाथ महतो ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक से भाजपा ने दूरी बना ली, जिकर उसे विधिवत अमंत्रित दिया गया था।

बैठक में सीएम हेमंत सोरेन, संसदीय कार्य मंत्री डॉ रमेश उराव, विधायक लंबोदर महतो, विनोद सिंह आदि उपस्थित थे।



विपक्ष के कड़े रुख को देखते हुए सत्ता पक्ष भी मानकूल जवाब देने की तैयारी में है। भाजपा के रुख और सीएम देमेंट सोरेन के बायान से वह स्पष्ट हो गया कि सत्र होगामें बैठक के सफल संचालन को लेकर स्पीकर रवंद नाथ महतो ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक से भाजपा ने दूरी बना ली, जिकर उसे विधिवत अमंत्रित दिया गया था।

स्पीकर ने की सर्वदलीय बैठक, भाजपा नहीं पहुंची, सीएम ने विपक्ष को दी चुनौती

### सीएम ने बनायी सत्ता पक्ष की रणनीति

विधानसभा सत्र की पूर्व संध्या पर गुरुवार को सीएम आवास में सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में इंडिया गढ़बंदन के मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक में रणनीति चर्चा की गयी। बैठक में सीएम ने सभी विधायकों से कहा कि वे विपक्ष के हर सवाल का मार्क जवाब दें। उन्होंने कहा कि सरकार ने बहुत सारे कार्य किये हैं, बहुत सारी योजनाएं शुरू की हैं। ऐसे में आप सदन में विपक्ष के हर सवालों का मजबूती से समान करें और उसका जवाब दें। बैठक में सभी मंत्री और विधायक मौजूद थे।

सरकारी आशवासन के उत्तर समेत तमाम व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया था।

स्पीकर ने पूर्व से लंबित प्रश्न, ध्यानकर्पण, निवेदन, शून्यकाल,

(शेष पेज 11 पर)

## खनिज रॉयल्टी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र को झटका खिटान त खनिज भूमि पर कर लगाने का अधिकार राज्यों का



संसद को अधिकार नहीं, अब तक की वसूली पर 31 को सुनवाई

नदी दिल्ली (एजेंसी)। खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। खनिजों पर देव रॉयल्टी कर नहीं है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि संविधान के तहत राज्यों को ही खदानों और खनिज जुक भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है। संसद के पास नहीं। राज्यों ने खदानों और खनिजों पर केंद्र द्वारा अब तक लगाये गये करों की वसूली पर सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि वह खदानों और खनिजों पर केंद्र द्वारा अब तक लगाये गये टैक्स की वसूली के मुद्रे पर 31 जुलाई को विवार करेगा। पॉर्ट में सीजेआई के अलावा न्यायमूर्ति

न्यायमूर्ति बीबी नागरला ने इस बात पर असहमतीपूर्ण फैसले दिया है कि खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी टैक्स है या नहीं। न्यायमूर्ति अधिकारी ने कहा कि राज्यों के पास खदानों और खनिज जुक भूमि पर टैक्स लगाने का विधायी अधिकार नहीं है। पॉर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के तहत संसद के पास खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने की शक्ति नहीं है। (शेष पेज 11 पर)

## तीन संदिग्धों को ले कर सीबीआई टीम फिर हजारीबाग पहुंची

## सील खोल कर गेस्ट हाउस की जांच-पड़ताल कर लौटी



खबर मन्त्र टीम

रांची, हजारीबाग। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई एक बार फिर हजारीबाग में सक्रिय है। पिछले दो दिनों से सीबीआई हजारीबाग के दो प्रमुख ठिकानों ओपरेशन स्कूल और रामनगर स्थित राज गेस्ट हाउस की जांच कर रही है। गुरुवार को भी तीन संदिग्धों को लेकर टीम पहुंची और जांच-पड़ताल की। बताया जा रहा है कि तीन में से एक मुख्य आरोपी पक्ज था। दूसरा राज गेस्ट हाउस का मालिक राजू। अनुसन्धान लगाया जा रहा है कि तीसरा व्यक्ति प्रश्नपत्र के सॉल्वर है। करीब दो से तीन घंटे तक सीबीआई गेस्ट हाउस के अंदर जांच करती रही है। जानकारी के अनुसार, इस दैनंदिन फॉरेंसिक टीम : सीबीआई टीम पहुंच दिन पहले तक जांच के लिए राज गेस्ट हाउस को खोल दिया गया था, तो उसे सील कर दिया गया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआई की टीम राज गेस्ट हाउस के अंदर दाखिल हुई।

दस्तावेज जब्त कर सीबीआई अधिकारी वहाँ से निकल गये। टीम तीन अलग-अलग वाहनों से हजारीबाग पहुंची थी। इसमें से एक अंदर जांच करती रही है। जानकारी के अनुसार, इस दैनंदिन फॉरेंसिक टीम : सीबीआई टीम पहुंच दिन पहले तक जांच के लिए राज गेस्ट हाउस को खोल दिया गया था, तो उसे सील कर दिया गया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआई की टीम राज गेस्ट हाउस के अंदर दाखिल हुई।

जांच के दौरान टीम के करीब 12 सदस्य मौजूद थे। इस दौरान सीबीआई अपने साथ तीन संदिग्धों को लेकर आयी थी। करीब दो से तीन घंटे तक सीबीआई गेस्ट हाउस के अंदर जांच करती रही है। सील खोल कर गेस्ट हाउस गयी थी : सीबीआई टीम पहुंच दिन पहले तक जांच के लिए राज गेस्ट हाउस को खोल दिया गया था, तो उसे सील कर दिया गया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआई की टीम राज गेस्ट हाउस के अंदर दाखिल हुई।

जांच के दौरान टीम के करीब 12 सदस्य मौजूद थे। इस दौरान सीबीआई अपने साथ तीन संदिग्धों को लेकर आयी थी। करीब दो से तीन घंटे तक सीबीआई गेस्ट हाउस के अंदर जांच करती रही है। सील खोल कर गेस्ट हाउस गयी थी : सीबीआई टीम पहुंच दिन पहले तक जांच के लिए राज गेस्ट हाउस को खोल दिया गया था, तो उसे सील कर दिया गया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआई की टीम राज गेस्ट हाउस के अंदर दाखिल हुई।

जांच के दौरान टीम के करीब 12 सदस्य मौजूद थे। इस दौरान सीबीआई अपने साथ तीन संदिग्धों को लेकर आयी थी। करीब दो से तीन घंटे तक सीबीआई गेस्ट हाउस के अंदर जांच करती रही है। सील खोल कर गेस्ट हाउस गयी थी : सीबीआई टीम पहुंच दिन पहले तक जांच के लिए राज गेस्ट हाउस को खोल दिया गया था, तो उसे सील कर दिया गया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआई की टीम राज गेस्ट हाउस के अंदर दाखिल हुई।

जांच के दौरान टीम के करीब 12 सदस्य मौजूद थे। इस दौरान सीबीआई अपने साथ तीन संदिग्धों को लेकर आयी थी। करीब दो से तीन घंटे तक सीबीआई गेस्ट





नीट परीक्षा का मानवीय पक्ष को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अध्यार्थियों को होने वाली परीक्षा निर्माण की दी है।

इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की रेखांकित करता है। कोटे के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्यापक विसंगतियों को भी उत्तराधिकार किया है। बहराहाल, मुख्य न्यायाधीश डॉ. वार्ड, चंद्रचूड़ की वय टिप्पणी की लिए परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अत्यधिक राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमज़ोरियों को संवेदित किया जाना ज़रूरी है। इसके बावजूद गढ़ीय परीक्षण एजेंजी यानी एनटीआई और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साथोंके के अनुसार विवाद के हजारीबांग और पटना में लोक महत्वपूर्ण चिकित्सा पेशेवरों के लिए होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर-तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं। प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटने के लिए, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंजी पर न्यायालय की निर्भात सम्पत्ति के दीर्घकालीन समाधान के बायाएक कामचलांड द्रुष्टिकोण को ही दर्शाता है। वहाँ दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी-नेट परीक्षा का रह जाना ही चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतः संवाद लेते हुए वह कार्रवाई की थी। हालांकि वह कदम छात्रों के हितों की तात्पालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन वह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचों की कमज़ोरी की ही उत्तराधिकार करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तर्दगिरावद व परार्द्धिता की कमी छात्र समृद्धि में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं।

## बजट में किसान

**के** न्द्र सरकार की दूसरी पारी में लंबे चले किसान आंदोलन के

सबक और नये आंदोलन की सुगम्भाष्ट के बीच में केंद्र ने किसान व कृषि को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। बजट के जरिये आंदोलन को हासिल करने पर बल दिया है। खासकर जलवाया परिवर्तन के संकट के सूझाती को विकास के लक्ष्य को हासिल करने के तात्पालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन वह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचों की कमज़ोरी की ही उत्तराधिकार करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तर्दगिरावद व परार्द्धिता की कमी छात्र समृद्धि में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं।

किसानों को प्राकृतिक खेतों के लिए तैयार करने की बोजाना है। करीब दस हजार जैव निवेश संसाधन केंद्रों के जरिये प्राकृतिक खेतों के लक्ष्यों को पाया जाएगा। हाल के दिनों में प्रतिकूल मौसम व भांडारण केंद्रों के अधार में उपभोक्ताओं को महान् रुक्षता की विकासन का समाना करना पड़ा है। इसके बाद करने के लिए एक अपूर्वकृति विकास को सुव्यवस्थित करने हेतु बजट में किसान उत्पादक संगठनों और सहायी असंगठितों और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। ये संस्थाएं सहितों के संग्रहण, भंडारण और विपणन में सार्थक भूमिका निभाते हुए किसानों को बेहत दाम दिलाने का प्रयास करेंगे। साथ ही तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के मकसद से सरसों, मूँफली, तिल, सोयाबीन की व सूरजमुखी की खेतों को बढ़ावा देने के उपाय बजट में प्रस्तुत किए गए हैं। जिससे तिलहन उत्पादक किसानों की आय बढ़े तथा आयानित खाद्य तेलों पर देश की निर्भाता का कम किया जा सकता। आज तक जिसी भी साधारणता के उत्पाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्धात की ओर लाना चाहिए है किसानों को नजर आंदोलन की राह पर निर्धात की ओर लाना चाहिए। जारीखंड जैसे राज्य में सिवाई की सुविधा नगर्जन है। किसान अब मजदूर बनकर जी रहा है।

## दुख का कारण

### विचार-प्रवाह

भयानक और दिल तोड़ने वाला मंजर है। इसका खात्मा भी हाल-मंजर है। इसका खात्मा भी हाल-मंजर है। अधिकतर विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि महामारी का खात्मा हो जाने पर भी आने वाले कई सालों तक बने रहेंगे माली और दिमागी तोर पर लगे जहाँकों के निशान।

तो ऐसे में बाया धर्म के सिद्धांतों और दुख की शूभिका का सहारा लेकर हम इस महामारी के असर से उभर सकते हैं? क्या इनके जरिये हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और समझदार बन सकते हैं? या कहीं ऐसा तो नहीं है कि हमें से कई लोगों की ज्यादा मजबूत और समझदार बन सकते हैं? या कहीं ऐसा तो नहीं है कि लोग जो बढ़े हुए अपने घरों में सिपाहे रहना पड़ा है। खाना-पानी के साथ एक तरह का कैदखाना। फेस से। इससे कहीं ज्यादा लोगों को तकलीफ सहनी पड़ती है और तमाम लोग अब भी बीमार हैं।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

काविड महामारी चीन के बुहान भावन के अलावा अवश्य है। तीसरा सूच है निरोध। यानी दुख समान होने की संभावना। और चौथा सूच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले











